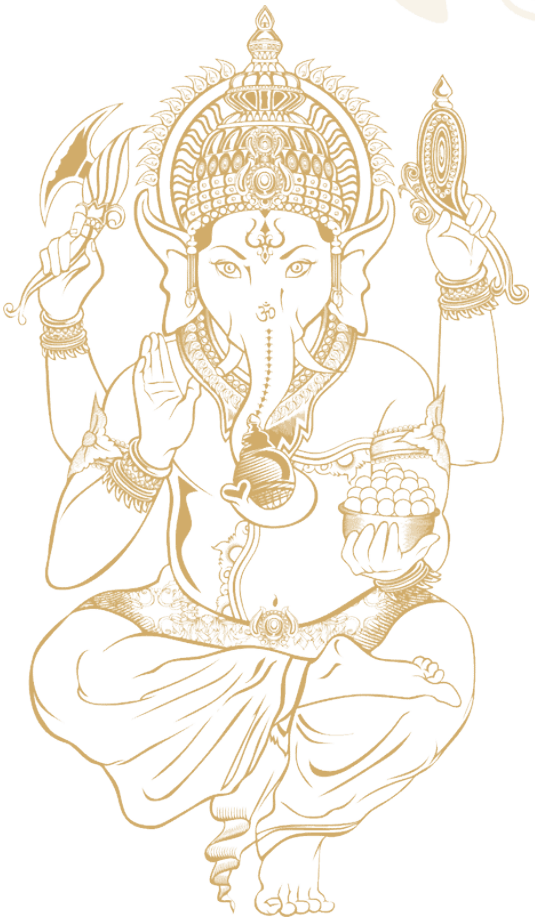

Ravesh

Stuti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120167906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/01/1997	जन्म तिथि	02/04/1998
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:50:00	जन्म समय	20:24:00 घंटे
घटी 39:48:26	जन्म समय(घटी)	35:43:11 घटी
India	देश	India
Chhindwara	स्थान	Sagar
22:04:00 उत्तर	अक्षांश	22:38:00 उत्तर
78:58:00 पूर्व	रेखांश	75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:08	स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:37	सूर्योदय	06:19:40
17:58:58	सूर्यास्त	18:42:44
23:42:44	के.पी. अयनांश	23:43:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 15वर्ष 1मा 28दि	20:10:15	कन्या	लग्न	तुला	12:41:47	मंगल 1वर्ष 5मा 18दि
चन्द्र	13:05:36	मक	सूर्य	मीन	18:56:12	गुरु
26/03/2018	16:33:35	सिंह	चंद्र	मिथु	03:52:26	19/09/2017
26/03/2028	11:34:45	कन्या	मंगल	मीन	28:26:22	19/09/2033
चन्द्र 25/01/2019	18:42:10	धनु	बुध व	मीन	25:52:02	गुरु 08/11/2019
मंगल 26/08/2019	07:29:05	मक	गुरु	कुंभ	19:49:25	शनि 21/05/2022
राहु 24/02/2021	26:56:27	धनु	शुक्र	कुंभ	02:32:57	बुध 26/08/2024
गुरु 26/06/2022	09:24:42	मीन	शनि	मीन	28:14:42	केतु 02/08/2025
शनि 25/01/2024	06:07:50	कन्या व	राहु व	सिंह	16:21:09	शुक्र 02/04/2028
बुध 25/06/2025	06:07:50	मीन व	केतु व	कुंभ	16:21:09	सूर्य 19/01/2029
केतु 24/01/2026	11:02:26	मक	हर्ष	मक	18:11:53	चन्द्र 21/05/2030
शुक्र 25/09/2027	04:05:07	मक	नेप	मक	08:09:27	मंगल 27/04/2031
सूर्य 26/03/2028	11:24:37	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:11:42	राहु 19/09/2033

लग्न-चलित

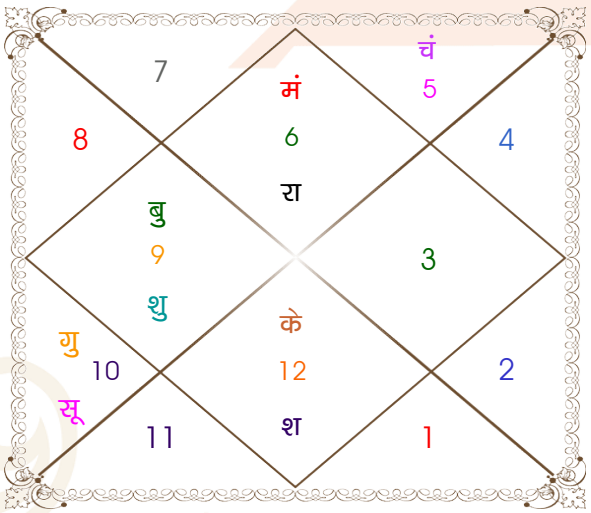

लग्न-चलित

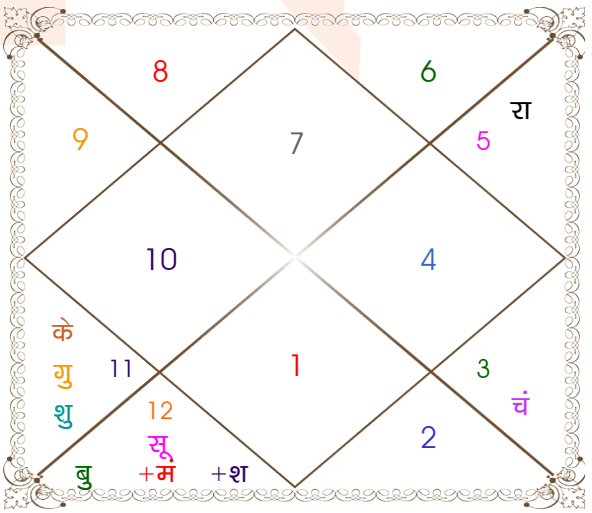

Astrologer Sourabh Tripathi
Astrology | Vastu | Gems Stone
+917024551008
P.sjk1008@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Stuti का नक्षत्र मृगशिरा है।

Ravesh का वर्ग मूषक है तथा Stuti का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ravesh और Stuti का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ravesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ravesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Stuti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Stuti कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Ravesh तथा Stuti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।